

## प्रायद्वीपीय पठार

- अर्ध द्वीप प्रायद्वीपीय भारत का क्षेत्रफल मूलतः 700 km. , 1600 km विन्दु मध्यमांतर में प्रक्षेपित
- प्रायद्वीपीय भारत में कई छोटी-छोटी पर्वतीय श्रृंखलाएँ मिलती हैं। इन श्रृंखलाओं ने प्रायद्वीपीय भारत को कई छोटे-छोटे पठारों में विभक्त कर दिया है। इसलिए इसे पठारों का पठार भी कहा जाता है।
- प्रायद्वीपीय पठार प्राचीनतम गोंडवाना भूखंड का एक भाग है। इसके भूगर्भ में पेंसिलेन के प्लम्बालोन चट्टान पाये जाते हैं।
- प्रायद्वीपीय भारत के उच्चावच और भूदृश्य का अध्ययन दो जीपिकों में किया जा सकता है -

### (A) प्रायद्वीपीय भारत के पर्वत

1. पश्चिमी घाट
2. पूर्वी घाट
3. अरावली पर्वत
4. खन्नपुरा पर्वत
5. विंध्यन पर्वत
6. राजमहल की पहाड़ी
7. गारो, खासी, जयंतिया

### (B) प्रायद्वीपीय भारत के पठार

#### 1. दक्खिन का पठार

- |                         |                       |
|-------------------------|-----------------------|
| (i) महाराष्ट्र का पठार  | } महाराष्ट्र का पठार  |
| (ii) विदर्भ का पठार     |                       |
| (iii) तैलंगाना का पठार  | } आंध्रप्रदेश का पठार |
| (iv) दोंयलसीमा का पठार  |                       |
| (v) बंगालीय का पठार     | } कर्नाटक का पठार     |
| (vi) मैसूर का पठार      |                       |
| (vii) कोयम्बटूर का पठार | - तमिलनाडु का पठार    |

#### 2. काठियावाड़ का पठार

#### 3. उत्तर का पठार

- |                       |               |
|-----------------------|---------------|
| (i) मारवाड़ का पठार   | } मध्यम पठार  |
| (ii) मैवाड़ " "       |               |
| (iii) मलवा " "        |               |
| (iv) गुंजेलखंड " "    |               |
| (v) बस्तर का पठार     | } पूर्वी पठार |
| (vi) बघेलखंड " "      |               |
| (vii) दरदाकरण्य " "   |               |
| (viii) छोटानागपुर " " |               |
| (ix) मैवालय " "       |               |

### 1. पश्चिमी घाट

- प्रायद्वीपीय भारत के पठार किनारे पर अरब सागर तट के समानांतर स्थित
- उत्तर में लक्ष्मी के मुहाना से दक्षिण में कन्याकुमारी तक
- कुल लम्बाई 1200 km, औसत चौड़ाई - 91.5 m.
- यह उत्तर में कम चौड़ाई के क्षेत्रों में अधिक चौड़ाई
- 16° N से लक्ष्मी नदी तक - वेस्ट - पठार है। - पश्चिम
- सबसे ऊँची चोटी मालसुवाई (1646)

- लक्ष्मण उद्वेगार का प्रमाण
- धाल घाट 4 और घाट दर्रा
- जोधापरी के छठ्ठा नदी का उद्गम स्थल
  - लक्ष्मी नदी जोधापरी के बीच समाला के अजंता पर्वत श्रेणी
  - जोधापरी के नीचे नदी के बीच जालाघाट पर्वत
  - भीमा के छठ्ठा नदी — महादेव पर्वत
- 16 म से नीलागिरी पहाड़ों तक स्थित पं० घाट की ऊंचाई बहुत अधिक है। इसका पं० घाट तीव्र जबकि पूर्व ढाल मंद है।
  - इस क्षेत्र को सबसे ऊंची चोटी — कुम्भमुख (1892m)
- नीलागिरी के पास पं० घाट के पूर्वी घाट मिलकर एक आठ का निर्माण करती है।
  - नीलागिरी के पूर्वी घाट का दक्षिणी विस्तार माना जाता है।
  - इसकी सबसे ऊंची चोटी — दोहाबेटा (2636)
  - उड़ी पर्वतीय नगर — नीलागिरी पर
  - आर्कियल युग के स्थानों से निर्माण — नीलागिरी।
- नीलागिरी के दक्षिण में अन्नामल्लू, कर्दम, नागरकोयला के समीप विवेकानंदराव की स्थापित रूप से दक्षिण की पहाड़ी कहते हैं।
  - अन्नामल्लू की सबसे ऊंची चोटी — अनाईमुड (2695)
  - अन्नामल्लू पर्वत के 3000 म पालनी पहाड़ी जिसपर कौडाई कनाल पर्वतीय नगर
  - नीलागिरी के अन्नामल्लू के बीच पाल घाट दर्रा
  - अन्नामल्लू के कर्दम के बीच सिनकोटा दर्रा

2. पूर्वी घाट

- मायद्रोपीय भारत के पूर्वी तट के सामानोतर तट से 200 से 400 कि० म दूर स्थित है। इस पर्वत का निर्माण कुड्डलू संरचना से हुआ है।
- यह विवेकानंद श्रृंखला है — मसनदी, जोधापरी, छठ्ठा।
- औसत ऊंचाई 900 म।
- उड़ीसा में अवस्थित सामेल पर्वतीय श्रृंखला को मलियास कहा जाता है।
- सबसे ऊंची चोटी — महैन्द्रगिरी (1501)
- छठ्ठा नदी से पेलार नदी के मध्य स्थित पूर्वी घाट है। महामयती श्रृंखला कहते हैं — इसमें नल्लामल्लू, वैलीकोडा, मालकोडा श्रृंखला प्रमुख है।
- पूर्वी घाट पर्वत को नोमलनाडु में जावदी, गिंजी, शिवराय की पहाड़ी, पंचमल्लू पहाड़ी के नाम से जानते हैं।
- शिवराय की पहाड़ी को दक्षिण भारत का घोरामापुर कहा जाता है।
- पूर्वी घाट और पं० घाट कही जाती हैं —
  - मुख्य 2 हैलावाफ के बीच — शिबचन्द्र पर्वत के जालाघाट
  - बंगलौर के पास — वावा घाट की पहाड़ी

### 3. अरावली पर्वत

- यह पर्वत राजस्थान में ६०० से ३००० दिशा में अवस्थित है।
- इसका विस्तार गुजरात से दिल्ली तक
- आख्यक अरावली पर्वत के बीच - झंझावात डैप
- सबसे ऊँची चोटी - शुक्र शिखर (1722) जो राजस्थान के सिरोही जिला में माउंट आबु के पास अवस्थित है।
- ✓ लम्बाई 800 km, औसत ऊँचाई 700-900 m.
- दूरी - पोपलीवाट देपुर
- इस क्षेत्र में कई खनिज पाये जाते हैं - खनिजों का अजायबखर
- अपरदन व क्लिष्टता के कारण - विखंडित हो चुका है लेकिन ६०० मीटर की ऊँचाई आज भी पर्याप्त है।

### 4. सतपुड़ा पर्वत

- ✓ नर्मदा व गोपी अंबा धारों के बीच स्थित बलौक पर्वत
- औसत ऊँचाई 900-1100 m.
- सबसे ऊँची चोटी - धुपगढ़ (1250) - सतपुड़ा का
- सतपुड़ा के पूरब में महलेश्व, मैकाल, रामगढ़ व गढ़जात की पहाड़ी अवस्थित
- मैकाल की सबसे ऊँची चोटी - अमरसंक (1127)
- मैकाल पर पंचमढ़ी पर्वतीय नगर अवस्थित
- सतपुड़ा पर्वत के समतलतर मंतरावद्ध के शीतलावाट में अजंता की पहाड़ी है नागपुर के ज्वाली की पहाड़ी अवस्थित है।
- ✓ लम्बाई 1120 km.
- सतपुड़ा के ऊपरी भागमें लावा निक्षेप का प्रमाण और नीचले भागमें आग्नेयन श्रृंग की चिह्न।

### 5. विंध्यन पर्वत

- नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित त्रायदोगीय भारत की उत्तरी सीमा का निर्माण
- औसत ऊँचाई 500-700 m.
- ✓ इसकी उत्तरी ढाल अंगन द्विधा से बनी है जिसके कारण उत्तरी ढाल तीव्र है जबकि द. ढाल मंद है।
- इसका विस्तार गुजरात से बिहार तक अंगान नदी तक
- पं० से ५० → विंध्यन पर्वत, मालनेर पर्वत, कैमूर की पहाड़ी, खाबर की पहाड़ी, खडगपुर की पहाड़ी के नाम से जानते हैं।
- इसके नोम्यले भाग में लावा का निक्षेप जबकि पूर्वी भाग में यूनायटेड की संरचना पायी जाती है।
- ✓ धारवाड व कुडवा के बाहे भारत की सबसे प्राचीन संरचना है।
- यह पर्याप्त अपरदेत हो चुका है।

## 6. राजमहल की पहाड़ी

✓ विश्व और भारत के सीमा पर राजमहल के पास स्थित

- औसत ऊँचाई 500-700m.

- इस पहाड़ी के कारण ही राजमहल के पास गंगा नदी उत्तर की ओर बहती है

✓ जुरासिक दाल के लावा का प्रमाण

- वैसासिक चट्टानों की प्रधानता

## 7. शारंगी - खासी - जयंतिया पहाड़ी

- मैदालय राज्य में 70 से 90 अंशों के बीच फैला हुआ है

- शारंगी अलग पहाड़ी के रूप में अवस्थित है जबकि खासी & जयंतिया आपस में मिली हुई है

- सबसे ऊँची चोटी - गौरकेश शारंगी पर स्थित

## प्रायद्वीपीय भारत के पठार

### 1. दक्कन का पठार

✓ विस्तार - महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक & तमिलनाडु

- महाराष्ट्र के 90 भाग में इसे महाराष्ट्र का पठार, शेष भाग - विदर्भ का पठार कहते हैं

- AP के उत्तरी भाग - तेलंगाना का पठार, दक्षिण भाग - शैलसिमा का पठार

- कर्नाटक में इसे वेंगलूर & मैसूर का पठार

- तमिलनाडु में - कोयंबटूर का पठार

✓ महाराष्ट्र के पठार की औसत ऊँचाई 300-400m इसी पठार पर अजंठा की प्रागैतिहासिक गुफाएँ हैं

- विदर्भ के पठार - 700-900m. - यहाँ लावा की परतों पर पाये गये हैं।

- AP के पठार - 300-400m.

- कर्नाटक के पठार - 600-900m.

- संपूर्ण दक्कन का पठार दार्जिलिंग डिस्ट्रिक्टियल बल्स में हुए दूरी लावा उद्गारों से

- इस पठार पर शारंगी लावा के निर्माण से वैसासिक चट्टानों का निर्माण.

- कों-कों के दूरी उद्गार होने से शंकु पहाड़ियाँ, कुँवर, काल्डेरा का निर्माण.

### 2. काठियावाड़ का पठार

- गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र में स्थित

- अत्यंत बराबर-समतल पठार

- लावा निक्षेप और चूनापत्थर का प्रमाण

- औसत ऊँचाई 200-400m.

✓ इसी पठार पर शंकुतुका गिर की पहाड़ी अवस्थित है।

### 3. मालवा का पठार

मालवा का पठार - राजस्थान के जालंधर, बीकानेर, बाड़मेर जिलों में अवस्थित

- शुष्क महाद्वीपीय प्रदेश का अत्यंत प्रसृत क्षेत्र है